

सा. म. नी. २. ॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥
॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥
॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥
॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥ सा. २. ॥

ASHA ARCHIVES 3009

कमाल ॥ १२ ॥ सन गवता दवी यूजा साय का नत छि ॥ ६० ॥
वा मूला दवी यूजा साय सात ग्वे १ कल थन यूजा का नत छि
लना चक रुना ॥ ताऊ नयात विज्ञा चक थत ॥ ११ ॥ ६० ॥
वां न ६० ॥ १४ ॥ ६० ॥ यन ग्वणी विज्ञा चक ॥ ६० ॥

यतिखान ॥ १२ ॥ यान या कयति जाका ॥ १२ ॥ सा रि क मि ॥
१ ॥ गंग धन रु ॥ १३ ॥ का च ॥ थत विज्ञा चक ॥ १४ ॥
वान मान रुना ॥ १५ ॥ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ ॥

६४ लं

गुणिदायक या ताननायक थान ॥ दं ७० वक्ति ॥ दं २० काया
कुरुं सार्थ ॥ धा ६ दान ॥ धा ४ साखन ॥ धा ६ याक ॥ धुका
विचक ॥ धुका १ सिं ॥ धा ७ वयत ॥ धू २ मनन ॥ धू २ य
ना ॥ धी दनवानसहाय या ताननायक साधु कुरु याव

कुरु काक या यागा ॥ धू २ सास ॥ धी दनवान या तहाय ता ८
साध ॥ ता ना या तहाय ता ६ साध ॥ धी दनवान रुयनिस
दं ४ दक्षिण विय ॥ धी यन ग्य वि ता रुयनिस दं २ दक्षि
ण विय साध रुना ॥ धुका २ साक यात ॥ धी ३ वा ग्न तियूग

वात्रियातदं ४ दाद्विहमा ॥ श्री ३ समग्र तियूका वात्रियातदं ४
दद्विहमा विद्यमान ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
धयकिउनायंथाहसयूर ननयग यू १ दातयगुयक
धनाडा नया दूशना ७ ॥ ७ ॥ सलुसव्वदा ॥

१ श्री कक्षानन्द गार्ह द्यं २ गणवादा	१ सं १४ माघ भुदि सफमि
१ श्री लक्ष्मनन्द गार्ह वरवनिष्क	१ श्री मस्यन पूजा खव
१ श्री क्रीतिनाजानन्द गार्ह यगुका	पाथि ३ काकि
१ श्री त्रिसिंताश चाम	पाथि १८ ॥ काकि
१ श्री विजयार्थ गार्ह यग	

१६१ स्थानसूचन होश स्वनिष्

१६२ शशधन उवालाके

१६३ वाल (म) फाल राश थव

१६४ भ्रमिहाशि

१६५ मिल द्य राश स्वनिष् इने

१६६ चक्राति राश स्वनिष्

१६७ वत्तानन्द राश स्वनिष्

१६८ चामूर खन का पात पाठ म्वा रुत्रिता ठ मान यू उम ना ठ दिपसा
धृति वियमा





१८६ श्रीमद्वेङ्कटेश्वर

आर्य समाज

ASHA ARCHIVES

3009

३५१११

२००२११०१५१११

७३१-६१११११

५११११११११

५११

पुनः

सहायिणी सुख सुख
सहायिणी

[illegible]

ॐ ह्रीं क्लीं

ॐ ह्रीं क्लीं

ॐ ह्रीं क्लीं

ॐ ह्रीं क्लीं

ॐ ह्रीं क्लीं

ॐ ह्रीं क्लीं

ॐ ह्रीं क्लीं





८५८१८१२५८
५८५८५८५८
५८५८५८५८

५८५८५८५८

१५८५८५८५८

१२५८५८५८५८

२० ५८५८५८५८

५८५८५८५८

५८५८५८५८

५८५८५८५८

५८५८५८५८

५८५८५८५८

५८५८५८५८

५८५८५८५८

५८५८५८५८

२००५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८

५८५८५८५८५८